

संपादकीय

चुनावी जंग में तोप-पोत वार

आईएनएस विराट चर्चा में है, अलग ही ब्रांड बना है। इतने युद्धपोत आये-गये, पर अधिकांश युद्धपोतों के नाम कोई न जानता। आईएनएस विराट अलग ब्रांड है, क्योंकि एक प्रथानमंत्री अपने कार्यकाल में इस पर आये थे। यह अलग बहस का विषय है कि पिकनिक पर आये थे या काम पर। हालांकि कई नेताओं के बारे में तो दुआ की जाती है कि प्लीज पिकनिक पर ही लगे रहो, पिकनिक पर लगे रहोगे तो घोटाला न कर पाओगे।

इधर के चुनाव तो ब्रांड युद्ध में तबदील हो गये। उदर से राफेल चला तो इधर से बोफोर्स चली। राफेल अभी आया नहीं है, पर चल रहा है। और बोफोर्स का तो क्या कहना, तीस साल से ज्यादा हो गये, चले ही जा रही है। जब भी चुनाव आते हैं, चल जाती है। बोफोर्स से जितने हमले पाकिस्तान पर न हुए होंगे, उन हमलों से बहुत ज्यादा हमले नेताओं ने एक-दूसरे पर कर मारे हैं। राफेल का भी कमोबेश यही हाल लग रहा है।

आईएनएस विराट युद्धपोत से पहले एक और युद्धपोत चर्चा में रहा था। वह था आईएनएस विक्रांत। आईएनएस वि तं के कबाड़ से बजाज ने एक मोटरसाइकिल का ब्रांड बनाया। युद्धपोत न हुआ पुराने जमाने का पाजामा हो गया, जादाजी ने पहना, फिर पिटाजी का घुटना बना, फिर पिटाजी के बेटे का अंतर्वर्त बना। ब्रांड है, कुछ भी हो जाता है, बदल जाता है। अमिताभ बच्चन कभी एक साथ सैकड़ों गुंडों को मारते थे, अब सोना बेचते दिखते हैं। ब्रांड आखिर में कुछ न कुछ बेचने के ही काम आता है। आईएनएस विराट के जिक्र के जरिये भी कोई छवि बेचने की कोशिश की जा रही है।

विराट पीएम की वजह से प्रसिद्ध हुआ। विक्रांत बाइक की वजह से फेमस हुआ। विराट को कुछ दिनों बाद सब भूल जायेंगे। वि तं याद रहेगा, बजाज आटो कंपनी उसे भूलने नहीं देगी। छोटे ट्रक पर लिखा होता है बड़ा होकर टाटा का बड़ा ट्रक बनूंगा। विक्रांत पर लिखा होना चाहिए था-बुरुजुर्ग होकर मैं एक कंपनी की बाइक बनूंगा। युद्धपोत बाइक बन जाता है। युद्धपोत पिकनिक स्थल बन जाता है।

भारतीय सेना, वायुसेना के आइटम सिर्फ दुश्मनों से लड़ने के ही काम न आते, नेताओं की आपसी लड़ाई में भी बहुत काम आते हैं। राफेल और बोफोर्स को देख लैं। भारतीय वायुसेना को नया हेलीकाप्टर मिला है अपाचे नाम से। इसके जरिये हमले अभी शुरू नहीं हुए। डिफेंस की जिस डील में रिश्त खाने के आरोप न लगें, वह डील कुछ नकली टाइप की लगती है।

मतलब कई बार तो शक तक होने लगता है कि ये हेलीकाप्टर काम करेगा भी कि नहीं। अपाचे कहीं कहने तो न लग जायेगा-मेरे पूर्वज राफेल में डृगी रकम खाने का हला है, मैं क्या इतना निकम्मा हूं कि मेरे बारे में किसी रिश्त का जिक्र नहीं हो रहा है।

मशरूम फाई रेसिपी



पाउडर- 1 टीस्पून, जीरा पाउडर- 1/2 टीस्पून, गरम मसाला पाउडर- 1/2 टीस्पून, करी पत्ता- 10-12, तेल- आवश्यकतानुसार, नमक- स्वादानुसार

विधि:

एक बातल में मशरूम, दही, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला का पेस्ट डालें। अब मशरूम और नमक डालकर मिलाएं। अंच धीमी करके मशरूम को अच्छे से पका लैं।

अमेरिका-चीन व्यापार तनाव कम होने से कॉटन में लौटी तेजी

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक मसलों को लेकर गतिरोध दूर करने की दिशा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सकारात्मक बयान के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कॉटन के भाव में रिकवरी आई है जिससे घोलू बाजार में भी बुधवार को लगातार दूसरे दिन कॉटन के बायदे में तेजी का अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कॉटन का भाव मंगलवार को 64.51 सेंट प्रति पौंड तक चला गया था जो कि करीब तीन साल में सबसे निचला स्तर है। हालांकि उसके बाद 1.26 फीसदी की रिकवरी दर्ज की गई, लेकिन मंगलवार



को मिले सकारात्मक विदेशी संकेतों से घोलू कॉटन बाजार में तेजी का रुख बुधवार को भी जारी रही। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि अमेरिका-चीन के बीच व्यापारिक बातें जारी रहेंगी और उन्होंने अगले महीने जी-20 सम्मेलन के दैरान जापान में अपने चीनी समकक्ष शी जिनिंग से मुलाकात के संकेत दिए हैं। जिसके बाद कमोडिटी और स्टॉक बाजार में रिकवरी देखी जा रही है।

महिला टेनिस: इटली ओपन से बाहर हुई सेरेना विलियम्स

रोम। अमेरिका की दिग्जेंसेरेना विलियम्स ने चॉटिल होने के कारण यहां कले कोर्ट पर जारी इटली ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। बीबीसी के अनुसार, 23 बार की ग्रैंड स्लैम विजेता विलियम्स ने घुटने में चॉट लगाने के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर होने का निर्णय लिया है। सेरेना को प्रतियोगिता के दूसरे दौर में अपनी बहन वीनस विलियम्स से भिड़ना था।

उन्होंने कहा, मैं आप सभी से फेंच ओपन और अगले साल रोम में भिड़ूँगी। दूसरी ओर, पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 डेनमार्क की कैरोलिना वीजिन्याकी को भी चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। वीजिन्याकी पैरों में चोट के चलते अमेरिका की डेनिली कॉलिंस के खिलाफ पहले राउंड से हट गई।

ईडी ने कोचर दंपति से 8 बंटे पूछताछ की

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर 1,875 कोरेड रुपये के वीडियोकॉन ऋण मामले की जांच के संबंध में मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पूछताछ के लिए पेश हुए, और एंजेसी ने उनसे आठ घंटे तक पूछताछ की। कोचर दंपति से वीडियोकॉन समूह के इलाके में स्थित ईडी मुख्यालय पहुंचे, और उनसे शाम सात बजे तक पूछताछ की गई। उनसे कुछ दस बजे लाने को कहा गया है। एंजेसी के अधिकारियों ने कोचर दंपति से वीडियोकॉन समूह के प्रोटोकॉलों को लेकर जांच के तहत कोचर दंपति के आवास तथा कार्यालय परिसरों की सिलसिलेवार तलाशी ली थी और ईडी ने मार्च में अपनी जांच के तहत कोचर दंपति के आवास तथा कार्यालय परिसरों की सिलसिलेवार तलाशी ली थी और ईडी ने वीडियोकॉन समूह को 1,875 कोरेड रुपये के ऋण को मंजूरी देने में कथित वित्तीय अनियमिताओं और भ्रष्ट आचार से संबंधित है। ईडी को अवधें लेन-देन से संबंधित सबूत मिले थे, जिसमें प्रोटोकॉल को लेकर जांच के तहत कोचर दंपति के आवास तथा कार्यालय परिसरों की सिलसिलेवार तलाशी ली थी और ईडी ने वीडियोकॉन समूह को 1,875 कोरेड रुपये के ऋण को मंजूरी देने में कथित वित्तीय अनियमिताओं और भ्रष्ट आचार से संबंधित है। ईडी को अवधें लेन-देन से संबंधित सबूत मिले थे, जिसमें प्रोटोकॉल को लेकर जांच के तहत कोचर दंपति के आवास तथा कार्यालय परिसरों की सिलसिलेवार तलाशी ली थी और ईडी ने वीडियोकॉन समूह को 1,875 कोरेड रुपये के ऋण को मंजूरी देने में कथित वित्तीय अनियमिताओं और भ्रष्ट आचार से संबंधित है। ईडी को अवधें लेन-देन से संबंधित सबूत मिले थे, जिसमें प्रोटोकॉल को लेकर जांच के तहत कोचर दंपति के आवास तथा कार्यालय परिसरों की सिलसिलेवार तलाशी ली थी और ईडी ने वीडियोकॉन समूह को 1,875 कोरेड रुपये के ऋण को मंजूरी देने में कथित वित्तीय अनियमिताओं और भ्रष्ट आचार से संबंधित है। ईडी को अवधें लेन-देन से संबंधित सबूत मिले थे, जिसमें प्रोटोकॉल को लेकर जांच के तहत कोचर दंपति के आवास तथा कार्यालय परिसरों की सिलसिलेवार तलाशी ली थी और ईडी ने वीडियोकॉन समूह को 1,875 कोरेड रुपये के ऋण को मंजूरी देने में कथित वित्तीय अनियमिताओं और भ्रष्ट आचार से संबंधित है। ईडी को अवधें लेन-देन से संबंधित सबूत मिले थे, जिसमें प्रोटोकॉल को लेकर जांच के तहत कोचर दंपति के आवास तथा कार्यालय परिसरों की सिलसिलेवार तलाशी ली थी और ईडी ने वीडियोकॉन समूह को 1,875 कोरेड रुपये के ऋण को मंजूरी देने में कथित वित्तीय अनियमिताओं और भ्रष्ट आचार से संबंधित है। ईडी को अवधें लेन-देन से संबंधित सबूत मिले थे, जिसमें प्रोटोकॉल को लेकर जांच के तहत कोचर दंपति के आवास तथा कार्यालय परिसरों की सिलसिलेवार तलाशी ली थी और ईडी ने वीडियोकॉन समूह को 1,875 कोरेड रुपये के ऋण को मंजूरी देने में कथित वित्तीय अनियमिताओं और भ्रष्ट आचार से संबंधित है। ईडी को अवधें लेन-देन से संबंधित सबूत मिले थे, जिसमें प्रोटोकॉल को लेकर जांच के तहत कोचर दंपति के आवास तथा कार्यालय परिसरों की सिलसिलेवार तलाशी ली थी और ईडी ने वीडियोकॉन समूह को 1,875 कोरेड रुपये के ऋण को मंजूरी देने में कथित वित्तीय अनियमिताओं और भ्रष्ट आचार से संबंधित है। ईडी को अवधें लेन-देन से संबंधित सबूत मिले थे, जिसमें प्रोटोकॉल को लेकर जांच के तहत कोचर दंपति के आवास तथा कार्यालय परिसरों की सिलसिलेवार तलाशी ली थी और ईडी ने वीडियोकॉन समूह को 1,875 कोरेड रुपये के ऋण को मंजूरी देने में कथित वित्तीय अनियमिताओं और भ्रष्ट आचार से संबंधित है। ईडी को अवधें लेन-देन से संबंधित सबूत मिले थे, जिसमें प्रोटोकॉल को लेकर जांच के तहत कोचर दंपति के आवास तथा कार्यालय परिसरों की सिलसिलेवार तलाशी ली थी और ईडी ने वीडियोकॉन समूह को 1,875 कोरेड रुपये के ऋण को मंजूरी देने में कथित वित्तीय अनियमिताओं और भ्रष्ट आचार से संब